हिमोफिलीया से बचना, परिवार स्वस्थ रखना ।

हिमोफिलीया एक वंशानुगत बीमारी है । हिमोफिलीया से पीडित व्यक्ती अंदरूनी या बाहरी रक्तबहाव के कारण परेशान होती है ।

कभी कभी इलाज तत्काल न होने से जान को खतरा हो सकता है । शरीर के महत्वपूर्ण जोडों मे खून जम जाने से अकड़ जाते है और नाकाम हो जाते है, दिमाग में रक्तबहाव के कारण चेहरे का लकवा मारना, रक्तघटक चढ़ाके किया जाने वाला इलाज महंगा है ।

आम तौर पर मॉ कॅरियर अथवा संवाहक होती है । वह पुरी तरह निरोगी रहती है लेकिन हिमोफिलिया पीडित लड़के को जनम दे सकती है । लड़कियॉ मॉ की तरह संवाहक होने की संभावना होती है ।

हिमोफिलीया पीडित पिता की सारी लड़कियॉ संवाहक मॉ को हर गर्भावस्था में निरोगी शिशु होने की संभावना ७५% प्रतिशत होती है मात्र, रोगी बच्चा होने की संभावना 2५% तो रहती ही है ।

हिमोफिलीयाचा वारसा नमुना

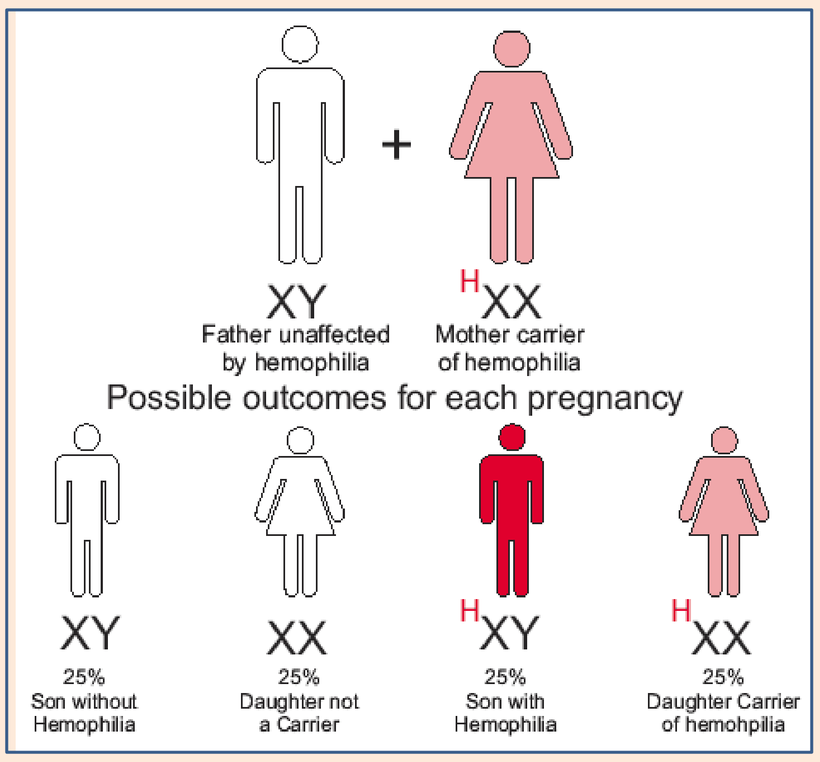

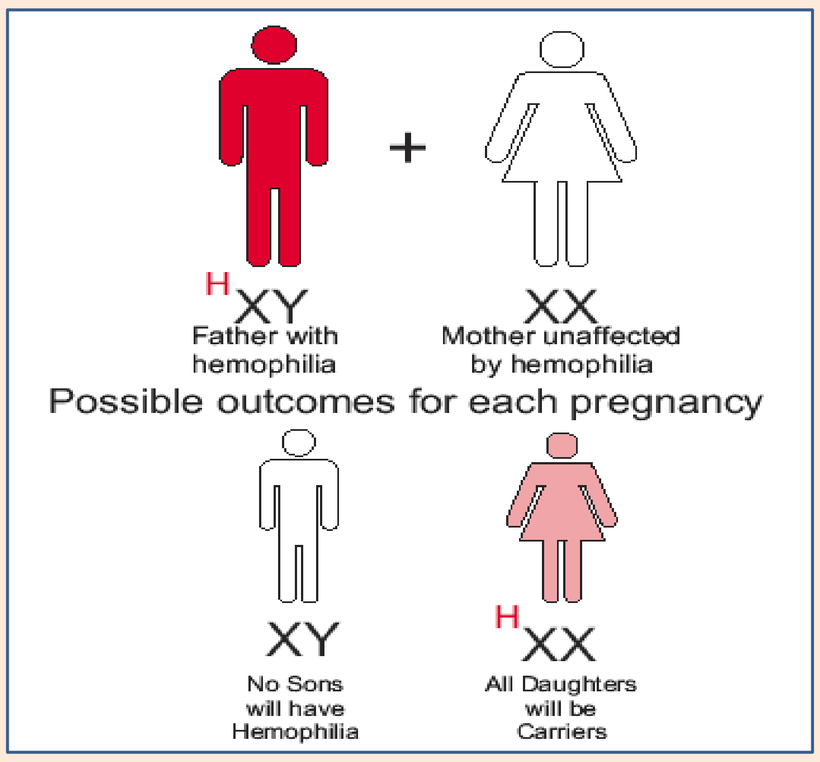

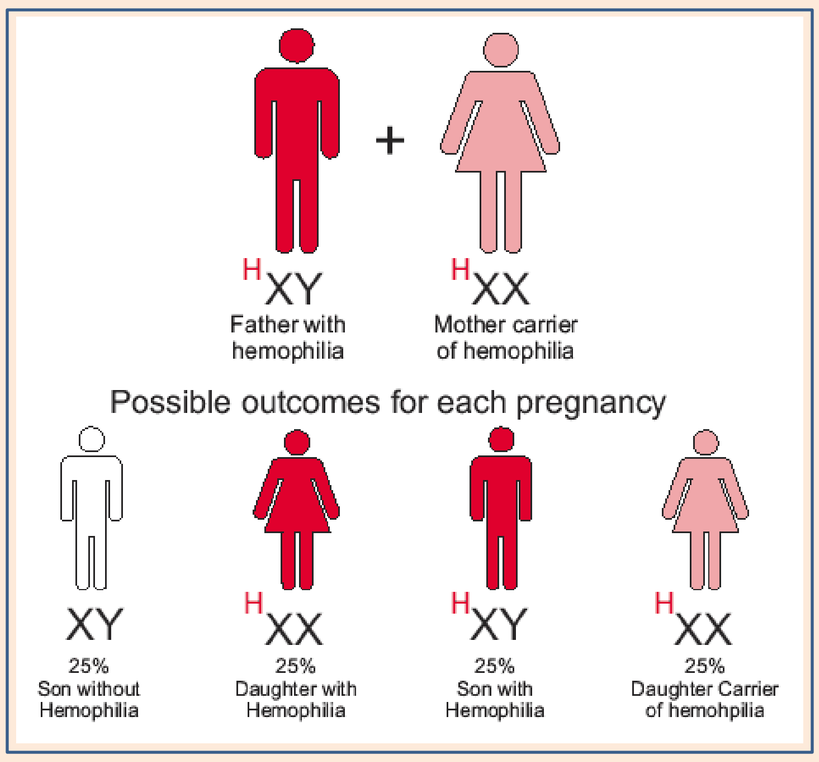

मॉ संवाहक हो तो गर्भस्थ शिशु की १०–१२सप्ताह में जॉच कर के हिमोफिलीया पीडित शिशु का जनम रोका जा सकता है । यदि, परिवार में दुर के रिश्ते में कोई हिमोफिलीयाग्रस्त हो तो सभी लड़कियों की संवाहता जॉचना उचित होगा । गर्भधारण के पूर्व रक्त परीक्षण से यह सुनिश्चित करे कि आप हिमोफिलीया संवाहक है अथवा नहीं । विशेषज्ञों द्वारा यह जॉच सुविधा अब भारत में भी कुछ स्थानों पर उपलब्ध है ।

अधिक जानकारी के लिये संपर्क करे

प्रतिरक्षा रूधिर विज्ञान संस्थान

13 वी मंजिल, के.ई.एम्. अस्पताल परिसर, परेल, मुंबई 12.

फोन : 022– 24138518 / 19. फॅक्स : 022–24138521

वेबसाईट : **www.iihicmr.org**

ईमेल : **director@iihicmr.org**